भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1380
बुधवार, 03 जुलाई, 2019/12 आषाढ़, 1941 (शक)

नियोजन-कार्यालयों का महत्व

1380. श्री कनकमेदला रवींद्र कुमारः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि किसी एक या अन्य कारण से नियोजन-कार्यालयों का महत्व धीरे-धीरे कम हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास देश के सभी नियोजन-कार्यालयों को बेरोज़गार व्यक्तियों के लिए नियोजन संबंधी समस्या के निवारण के लिए एक मात्र स्थान बनाने तथा सभी क्षेत्रों में नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों के लिए रोजगार प्रदाता के रूप में कोई प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ङ) अन्य बातों के साथ-साथ, रोजगार कार्यालयों के कार्यकरण में सुधार के लिए, मंत्रालय रोजगार मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों, आदि पर सूचना जैसी अनेक प्रकार की रोजगार-संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय रोजगार सेवा के राष्ट्रीय करियर सेवा में रूपांतरण हेतु राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस परियोजना के तीन घटक हैं-एनसीएस पोर्टल, रोजगार कार्यालयों को आपस में जोड़ना तथा आदर्श करियर केंद्र। परियोजना की सेवाएं राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल (www.ncs.gov.in) पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं तथा कॉल सेन्टर/हेल्पडेस्क द्वारा समर्थित हैं। इस पोर्टल में रोजगार कार्यालयों, आदर्श करियर केंद्रों, साझा सेवा केंद्रों, डाक घरों आदि के माध्यम से पारदर्शी ढंग से रोजगार चाहने वालों को प्रयोगकर्ताओं के अनुकूल सेवाएं प्रदान कराने हेतु एकल समाधान की परिकल्पना की गई है।

*****